एक्सआइएसएस में बजट पर चर्चा, बोले फिलिप मैथ्यू

भावी प्रबंधकों को एमएसएमइ के लिए खुद को तैयार करना होगा

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय बजट में एमएसएमइ (सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्रालय)पर ध्यान दिया गया है. इससे कोरोना महामारी के दो वर्ष बाद व्यवसाय संचालन के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जायेगा. एक्सआइएसएस के भावी प्रबंधकों को भी एमएसएमइ के लिए खुद को तैयार करना होगा. ये बातें झारखंड लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष फिलिप मैथ्यू ने कहीं. वह गुरुवार को एक्सआइएसएस में आयोजित वित्तीय वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट पर चर्चा में शामिल थे. फिलिप मैथ्यू ने जीएसटी को एमएसएमइ के लिए जरूरी बताया. संस्था के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि बजट पर चर्चा कर उसे समझना देश के नागरिक के रूप में नया अवसर उपलब्ध करायेगा.

डॉ प्रदीप केरकेट्टा ने कहा कि बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी लाना है. यह रोजगार और आय में वृद्धि करेगा, यह एक दीर्घकालिक दृष्टि है. इस वर्ष कल्याण योजना के बजट को कम कर दिया गया है जो, आने वाले समय के लिए चुनौती होगा. एचआरएम विभाग के प्रमुख डॉ रामाकांत अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक विकास में तेजी लाना जरूरी है. प्रो एसआर रॉय ने कहा कि देशभर में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने और ड्रोन तकनीक के उपयोग का सकारात्मक प्रभाव दिखेगा. प्रो डॉ बीपी महापात्रा ने पिछले वर्ष का कृषि बजट कुल बजट का 4.3% था, जो 2022-23 में गिरकर 3.84% हो गया है. डॉ राजश्री वर्मा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में तय बजट की सराहना की. साह ही टीकाकरण अभियान, राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 की जानकारी साझा की गयी. मौके पर डॉ अमित गिरि, डॉ अमर तिग्गा, डॉ रमाकांत अग्रवाल, एसआर रॉय, डॉ बीपी महापात्रा मौजूद थे.

PRESS RELEASE : PRABHAT KHABAR

एक्सआईएसएस में केंद्रीय बजट 2022-23 पर हुई पैनल चर्चा

आम बजट एमएसएमई के लिए विशेष रूप से फायदेमंद: मैथ्यू

सिटी रिपोर्टर | रांची

बजट में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त प्रावधान

एक्सआईएसएस रांची में गुरुवार को आम बजट पर फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में पैनल चर्चा हुई। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि यह चर्चा अब संस्थान की वार्षिक विशेषता है। यह बजट हमारे विकास के लिए है, इसलिए इस चर्चा से यह समझना अनिवार्य हो जाता है कि क्या देश के प्रत्येक नागरिक, जो विभिन्न सामाजिक और वर्ग समूह से आता है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित है, यह महसूस करता हैं कि यह उसका बजट है। गेस्ट स्पीकर लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष फिलिप मैथ्यू ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर 7.5 लाख करोड़ रुपए का कैपेक्स आधारित बजट अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। बजट एमएसएमई के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। जीएसटी के आगमन के साथ कई एमएसएमई औपचारिक क्षेत्र में आने में कामयाब रहेंगे। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. प्रदीप केरकेट्टा ने कहा कि बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी लाना है। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. जोसेफ मरियानुस कुजूर, डीन एकेडमिक्स डॉ. अमर ई तिग्गा, डॉ. रमाकांत अग्रवाल, एसआर रॉय, डॉ. बीपी महापात्रा, डॉ. राजश्री वर्मा आदि मौजूद रहे।

मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम के प्रमुख डॉ. रमाकांत अग्रवाल ने कहा कि बजट वित्तीय घाटे के प्रबंधनीय स्तरों के साथ आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए बाजार समर्थक आर्थिक सुधारों पर प्रकाश डालता है। एसोसिएट प्रोफेसर एसआर रॉय ने कहा, पीएलआई में 5जी को शामिल करने से मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

PRESS RELEASE : DAINIK BHASKAR

एक्सआईएसएस में केंद्रीय बजट पर चर्चा

रांची | वरीय संवाददाता

एक्सआईएसएस में गुरुवार को केंद्रीय बजटपर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। संकाय सदस्यों और छात्र वक्ताओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, शिक्षा आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर चर्चा की।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजुर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में एक्सआईएसएस में केंद्रीय बजट चर्चा आयोजित करने पर अपनी खुशी साझा की और कहा कि यह चर्चा अब संस्थान की वार्षिक विशेषता है।

उन्होंने महामारी के संदर्भ में केंद्रीय बजट 2022-23 के समावेशी और संतुलन पर जोर दिया।

अतिथि स्पीकर फिलिप मैथ्यू झारखंड लघु उद्योग संघ (जेएसआईए) के अध्यक्ष ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर 7.5 लाख करोड़ रुपये का कैपेक्स आधारित बजट अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। बजट एमएसएमई के लिए विशेष रूप से फायदेमंद था।

जीएसटी के आगमन के साथ कई एमएसएमई औपचारिक क्षेत्र में आने में कामयाब रहेंगे, जिसने उन्हें महामारी के दो वर्षों के बाद अपना व्यवसाय चलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक एक्सआईएसएस ने कहा कि बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी लाना है। यह रोजगार और आय में वृद्धि करेगा, लेकिन यह एक दीर्घकालिक दृष्टि है।

डॉ रमाकांत अग्रवाल ने कहा कि बजट वित्तीय घाटे के प्रबंधनीय स्तरों के साथ आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए बाजार समर्थक आर्थिक सुधारों पर प्रकाश डालता है। एसोसिएट प्रोफेसर एसआर रॉय ने कहा कि उत्पादन सूची प्रोत्साहन योजना में फाइव जी को शामिल करने से मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा और ऑप्टिकल फाइबर बिछाने और ड्रोन तकनीक के उपयोग से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। डॉ बीपी महापात्रा, डॉ राजश्रीज्ञापन के साथ हुआ।

PRESS RELEASE : CHAMAKTA HINDUSTAN

केंद्रीय बजट 2022-23 सभी वर्गों का समावेश कैसे करता है, इसे समझने की जरूरतः डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डॉ कामिल बुल्के पथ स्थित जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के तत्वावधान में संस्थान के फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में वित्तीय वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट पर एक पैनल चर्चा का आयोजन गुरुवार को किया। परिचर्या का विषय रहा- इनक्लुसिवनेस एंड बैलेन्स- हड रियल इन द वूनियन बजट 2022-23 अर्थात समावेश और संतुलन - केंद्रीय बजट 2022 में कितना वास्तविक। इस परिचर्चा में एक्सआईएसएस के संकाय सदस्यों और छात्र वक्ताओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, शिक्षा आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर चर्चा की।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में केंद्रीय बजट चर्चा आयोजित करने पर खुशी साझा की। इस तरह की चर्चा को संस्थान की वार्षिक विशेषता बताते हुए उन्होंने महामारी के संदर्भ में केंद्रीय बजट 2022-23 के समावेशी और संतुलन पर जोर दिया। डॉ कुजूर ने कहा कि यह समझना होगा कि कैसे यह बजट समाज के सभी वर्गों को जाति, वर्ग और रंग के बावजूद उनका समावेश करता है। वह बजट हमारे विकास के लिए है, इसलिए, इस चर्चा के माध्यम से यह समझना अनिवार्य हो जाता है कि क्या देश के प्रत्येक नागरिक, जो विभिन्न सामाजिक और वर्ग समूह से आते है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित है, यह महसूस करते हैं कि यह उनका बजट है।

अतिथि वक्ता फिलिप मैथ्यू, झारखंड लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मंगलम लुब्रिकेंट्स लिमिटेड ने कहा, बुनियादी ढांचे पर 7.5 लाख करोड़ रुपये का कैपेक्स आधारित बजट अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।बजट एमएसएमई के लिए विशेष रूप से फायदेमंद था।

एक्सआईएसएस के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, ने कहा कि बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी लाना है। यह रोजगार और आय में वृद्धि करेगा लेकिन यह दीर्घकालिक दृष्टि है। कल्याण योजना का बजट कम कर दिया गया है जो शायद अच्छी तस्वीर पेश न करे।

एचआरएम प्रोग्राम के प्रोग्राम चीफ डॉ रमाकांत अग्रवाल ने कहा कि बजट वित्तीय घाटे के प्रबंधनीय स्तरों के साथ आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए बाजार समर्थक आर्थिक सुधारों पर फोकस है।

एसोसिएट प्रोफेसर एस.आर. राँव, ने कहा कि उत्पादन सूची प्रोत्साहन योजना में 5जी को शामिल करने से 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा और ऑप्टिकल फाइबर बिछाने और ड्रोन तकनीक के उपयोग से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सहायक प्रोफेसर डॉ बी.पी. महापात्रा ने कहा कि बजट में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के लिए आवंटन में कोई वृद्धि नहीं हुई है। डॉ राज श्री वर्मा, सहायक प्रोफेसर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सार्वभौमिकरण की सराहना की लेकिन बेहतर मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट सेवाओं की मांग की। उन्होंने टीकाकरण अभियान, राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के बारे में जानकारी साझा किया।

सहायक प्रोफेसर डॉ अमित के. गिरी ने कहा कि बजट में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। पूंजीगत व्यय में वृद्धि, शिक्षा पर व्यय में वृद्धि जैसी योजनाएं रोजगार के अवसर पैदा कर सकती हैं।

छात्र वक्ताओं ने केंद्रीय बजट 2022-23 पर भी प्रस्तुति दी। जहां सोनाक्षी आद्या ने डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी पर बजट के प्रभाव पर चर्चा की, जबकि कृष्ण कुमार, द्वितीय वर्ष, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम ने ग्रामीण भारत पर बजट के प्रभाव को साझा किया। आनंद शंकर मोहंती ने बजट के तकनीकी पहलू पर चर्चा की। स्वप्निल वर्मा ने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाने की सरकार की आकांक्षाओं पर साझा किया और अंत में अनंब कुमार दास ने केंद्रीय बजट में साझा किए गए भारत के भविष्य के खाके पर चर्चा की।

एक्सआईएसएस के डीन एकेडमिक्स डॉ अमर ई तिग्गा ने बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में कहा कि बजट काफी उत्साहजनक है लेकिन हमें वंचितों के कल्याण की भी देखभाल करने की निहायत जरुरत है।

पूरी परिचर्चा को प्रशांत कुमार झा, सहायक प्रोफेसर द्वारा संचालित किया गया था और छात्र चर्चा का संचालन छात्र मॉडरेटर, सत्यप्रिया मित्रा, द्वितीय वर्ष, वित्तीय प्रबंधन द्वारा किया गया था।

PRESS RELEASE : KHABAR MANTRA

एक्सआईएसएस में बजट पर पैनल चर्चा

रांची 03 फरवरी (च.हिं.सं) : जेवियर समाज सेवा संस्थान में वित्तीय वर्ष 2022- 23 के केंद्रीय बजट पर फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में पैनल चर्चा आयोजित की। संकाय सदस्यों और छात्र वक्ताओं ने स्वास्थ्य शिक्षा वित्त कृषि आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर चर्चा की। निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने स्वागत करते हुए कहा कि यह चर्चा अब संस्थान की वार्षिक विशेषता है। यह समझना होगा कि कैसे यह बजट समाज के सभी वर्गों को जाति वर्ग और रंग के बावजूद उनका समावेश करता है।यह बजट हमारे विकास के लिए है। अतिथि वक्ता फिलिप मैथ्यू ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर 7.5 लाख करोड़ रुपए का कैपेक्स आधारित बजट अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। सहायक निदेशक प्रदीप केरकेट्टा ने कहां कि बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में तेजी लाना है। यह रोजगार और आय में वृद्धि करेगा। डॉ. रमाकांत अग्रवाल ने कहा कि बजट वित्तीय घाटे के प्रबंधनीय स्तरों के साथ आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए बाजार समर्थक आर्थिक सुधारों पर प्रकाश डालता है। सर्वश्री एस आर रॉय, डॉ बीपी महापात्र, डॉ राजश्री वर्मा, डॉ अमित गिरी, ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन सहायक प्रोफेसर प्रशांत कुमार झा ने किया।

PRESS RELEASE : DESPAN

XISS organises panel discussion on Union Budget 2022-23

PNS ■ Ranchi

Xavier Institute of Social Service, Ranchi, organised a panel discussion on the Union Budget for the financial year 2022-23 here on Thursday. XISS faculty members and student speakers discussed the details of the Budget in sectors like health, education, finance, agriculture, social sector etc.

Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS in his welcome address shared his happiness and pride on organising Union Budget Discussion at XISS, which is now an annual feature of the Institute. While setting the tone of the discussion he emphasised on the inclusiveness and balance - how real in the Union Budget 2022 in the context of the pandemic.

"It is to be understood how does this budget cater to all sections of the society, irrespective of their caste, class and colour. It is important to understand and believe that this budget is for our growth and development. So, through this discussion it becomes imperative to understand that does every citizen of the country, belonging to various walks of life from various social and class group, feel that this is his or her budget," Dr Kujur emphasised.

Furthermore, Guest Speaker, Philip Mathew, President of Jharkhand Small Industries Association (JSIA), Managing Director, Mangalam Lubricants (P) Ltd. said, "A Capex based budget of Rs 7.5 Lakh Crore on the infrastructure will give a boost to the economy. The budget was particularly beneficial to the MSMEs. With the advent of GST many of the MSMEs have managed to come to the formal sector, which have encouraged them to run their business after the two crushing years of the pandemic."

PRESS RELEASE : PIONEER

Ranchi: XISS holds panel discussion on Union Budget

by Lagatar News — 03/02/2022 in Jharkhand AA

PRESS RELEASE : LAGATAR24

एक्सआईएसएस ने केंद्रीय बजट 2022-23 पर पैनल चर्चा का आयोजन:-डॉ जोसेफ मरियानुस कुजुर

03/02/2022 / Chandan Pathak

Select Language

समावेश और संतुलन – केंद्रीय बजट 2022 में कितना वास्तविक – डॉ कुजूर

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट पर फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में एक पैनल चर्चा का आयोजन गुरुवार को किया। एक्सआईएसएस के संकाय सदस्यों और छात्र वक्ताओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, शिक्षा आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर चर्चा की।

डॉ जोसेफ मरियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस ने अपने स्वागत भाषण में एक्सआईएसएस में केंद्रीय बजट चर्चा आयोजित करने पर अपनी खुशी साझा की और कहा की यह चर्चा अब संस्थान की वार्षिक विशेषता है। उन्होंने महामारी के संदर्भ में केंद्रीय बजट 2022-23 के समावेशी और संतुलन पर जोर दिया।

"यह समझना होगा कि कैसे यह बजट समाज के सभी वर्गों को जाति, वर्ग और रंग के बावजूद उनका समावेश करता है। यह बजट हमारे विकास के लिए है, इसलिए, इस चर्चा के माध्यम से यह समझना अनिवार्य हो जाता है कि क्या देश के प्रत्येक नागरिक, जो विभिन्न सामाजिक और वर्ग समूह से आते है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित है, यह महसूस करते हैं कि यह उनका बजट है," डॉ कुजूर ने जोर देते हुए चर्चा की शुरुआत की।

इसके अलावा, अतिथि स्पीकर, श्री फिलिप मैथ्यू, झारखंड लघु उद्योग संघ (जेएसआईए) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मंगलम लुब्रिकेंट्स (प्रा.) लिमिटेड ने कहा, "बुनियादी ढांचे पर 7.5 लाख करोड़ रुपये का कैपेक्स आधारित बजट अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। बजट एमएसएमई के लिए विशेष रूप से फायदेमंद था। जीएसटी के आगमन के साथ कई एमएसएमई औपचारिक क्षेत्र में आने में कामयाब रहेंगे, जिसने उन्हें महामारी के दो वर्षों के बाद अपना व्यवसाय चलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।"

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस ने अपने संबोधन में कहा, "बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी लाना है। यह रोजगार और आय में वृद्धि करेगा लेकिन यह एक दीर्घकालिक दृष्टि है। कल्याण योजना का बजट कम कर दिया गया है जो शायद अच्छी तस्वीर पेश न करे।"

मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रमुख डॉ रमाकांत अग्रवाल ने कहा: "बजट वित्तीय घाटे के प्रबंधनीय स्तरों के साथ आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए बाजार समर्थक आर्थिक सुधारों पर प्रकाश डालता है।"

PRESS RELEASE : CURRENT KHABAR

समावेश और संतुलन – केंद्रीय बजट 2022 में कितना वास्तविक – डॉ कुजूर

February 3, 2022 Birsa Times

एक्सआईएसएस ने केंद्रीय बजट 2022-23 पर पैनल चर्चा का आयोजन किया
ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट पर फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में एक पैनल चर्चा का आयोजन गुरुवार को किया। एक्सआईएसएस के संकाय सदस्यों और छात्र वक्ताओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, शिक्षा आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर चर्चा की।
डॉ जोसेफ मरियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस ने अपने स्वागत भाषण में एक्सआईएसएस में केंद्रीय बजट चर्चा आयोजित करने पर अपनी खुशी साझा की और कहा की यह चर्चा अब संस्थान की वार्षिक विशेषता है। उन्होंने महामारी के संदर्भ में केंद्रीय बजट 2022-23 के समावेशी और संतुलन पर जोर दिया।
"यह समझना होगा कि कैसे यह बजट समाज के सभी वर्गों को जाति, वर्ग और रंग के बावजूद उनका समावेश करता है। यह बजट हमारे विकास के लिए है, इसलिए, इस चर्चा के माध्यम से यह समझना अनिवार्य हो जाता है कि क्या देश के प्रत्येक नागरिक, जो विभिन्न सामाजिक और वर्ग समूह से आते है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित है, यह महसूस करते हैं कि यह उनका बजट है," डॉ कुजूर ने जोर देते हुए चर्चा की शुरुआत की।
इसके अलावा, अतिथि स्पीकर, श्री फिलिप मैथ्यू, झारखंड लघु उद्योग संघ (जेएसआईए) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मंगलम लुब्रिकेंट्स (प्रा.) लिमिटेड ने कहा, "बुनियादी ढांचे पर 7.5 लाख करोड़ रुपये का कैपेक्स आधारित बजट अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। बजट एमएसएमई के लिए विशेष रूप से फायदेमंद था। जीएसटी के आगमन के साथ कई एमएसएमई औपचारिक क्षेत्र में आने में कामयाब रहेंगे, जिसने उन्हें महामारी के दो वर्षों के बाद अपना व्यवसाय चलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।"

PRESS RELEASE : BIRSATIMES